2016

म तेरो ऊँण्यारो मेरी हथेळया म उके'र राख्यूं हूँ।
यशायाह 49:16

I have engraved you on the palms of my hand...
Isaiah 49:16

जनवरी

सोम	मंगळ	बुध	बिस्प	सकर	शनी	दित
				1 हेरोदेस राजा क राज कर बाका दिना म यहूदिया क बेतलम म ईशु को जलम होयो जणा अगुणी दिशाऊँ क्युंक ज्योतसी जखा चाँद- तारा को ज्ञान राखता हा यरुशलेम म आया। (मत्ति 2:1)	2 बे बुज्या,"यहूदीमिनखा को राजा होबा ताँई जलम्यो बो टाबरियो कठै ह? बिको तारो अगुणी दिशा म उग्यो जणा म्हे बि तारानै देख्या। म्हें बि टाबर क धोक खाबा आया हा। (मत्ति2:2)	3 इ बात का समचार जद हेरोदेस राजानै लाग्या जणा बो अर यरूशलेम का बोळा मिनख घबरागा। (मत्ति2:3)
4 जणा बो सगळा बडा याजका अर शास्त्रानै सिखाबाळानै भेळा कर'र बाऊँ बुझबा लाग्यो, "मसी को जलम कठै होणो चाये।" (मत्ति2:4)	5 बे बिऊँ बोल्या,यहुदियां क बैतलम म" क्युँ'क परमेश्वरकी खेबाळो अंय्यां माँड्यो ह: "हे यहूदिया दिसावर की बैतलम नगरी का मिनखो, थारी नगरी दूसरी नगर्याऊँ ख्याई कम कोनी;(मत्ति2:5-6)	6 क्युँ'क इ मऊँ एक मिनख राजा बणसी, जखो इस्राएल म रेबाळा मेरा मिनखा की अगुवाई करसी।" (मत्ति2:6)	7 जणा राजा हेरोदेश ज्योतस्यांनै छानैसीक बुलार बुझबा लाग्यो क तारो सऊँ पेली की टेम चमक्यो। (मत्ति2:7)	8 अर बो बानै अंय्यां बोल'र बैतलहम भेज्यो, "बि टाबर क बारां म पाछा आर मनै ठिक-ठिक खबर दिज्यो जिऊँ क म बिकै धोख खार आऊँ।" (मत्ति2:8)	9 बे राजा की बात सुण'र चलेगा अर जो तारो बानै अगुणी दिशा म दिख्यो हो। बो बाकै आगै-आगै चाल्यो अर जठै टाबर हो बी झघां जार रूकगो। (मत्ति2:9)	10 जद बे बि तारानै देख्या जणा बोळा राजी होया। (मत्ति2:10)
11 बे घर म जार बि टाबरनै बिकी मा मरियम क कनै देख्या अर बि टाबर कआगैधोख खाई। अर आप आपका झोळानै खोलर बिकै सोनो, लोबान अर धुप की भेंट चढ़ाई। (मत्ति2:11)	12 जद ज्योतसी सोर्या हा जणा सपनाम परमेश्वर बानै चेतायो। क हेरोदेश क कनै मना जायो, जणा बे दूसरा गेलाऊँ आपकै देश चलेगा। (मत्ति2:12)	13 ज्योतस्यां क चल्या जाबा क पाछै प्रबु को एक ईश्बर नगरी दूत युसूफनै सपना म दर्शाव दे'र बोल्यो, "उठ अर टाबर अर बिकी माँ न लेर मिस्र देश म भागज्या (मत्ति2:13)	14 अर जद ताँई म तेरऊँ न बोलूँ जद ताँई बठैई रिह्जै क्युँ'क राजा हेरोदेश इ टाबर न ढूंढर्यो ह। बो ईनै मारबो चावै ह।" (मत्ति2:13)	15 जणा बो रातनै ई उठ'र टाबर अर बिकी मा न लेर मिस्र देश कानी चाल पड्यो। (मत्ति2:14)	16 अर जद ताँई हेरोदेश राजा कोनी मर्यो बे बठैई रिया।जिऊँ क बो बचन जखो परमेश्बर की खेबाळो बोल्यो हो पुरो होवै क म मेरा बेटानै मिस्रऊँ बुलायो हू।(मत्ति2:15)	17 जद राजाहेरोदेश ओ देख्यों क ज्योतसीमनै गोळी देगा ही जणा बो लाल-ताता होग्यो अर लोगानै भेजर ज्योतस्यां क बतायड़ा टेम म बेतलम (मत्ति2:16)
18 अर बिका आस पास का सगळा टाबरानै जखादो साल अर बिऊँ छोटा हा बानै मरवा गेर्या। (मत्ति2:16)	19 जणा जखा बचन यिर्मयाहपरमेश्बर की खेबाळोखयो हो पुरा होया: "राहेल की नगरी रामाह म बारघोड़ो होर्यो ह; छोटा हा बानै मरवा गेर्या। (मत्ति2:17-18)	20 बा आपका टाबरा ताँई रोरी ह अर चुप कोनी होबो चावै क्युँ'कबिका टाबरिया इब इ दुनिया म कोनी रिया।" (मत्ति2:18)	21 राजा हेरोदेश क मरबा क पाछै प्रबु को ईश्बर नगरी दूत मिस्र म युसूफनै सपना म दर्शाव दिन्यो अर बोल्यो, (मत्ति2:19)	22 "उठ टाबर अर बिकी मा नलेर इस्राएल देश म चल्यो जा, क्युँ'क जखा टाबर का पिराण लेबो चावै हा बे मरगा ही। जणा युसूफ टाबर अर बिकी मा न सागै लेर इस्राएल देश म आग्यो।(मत्ति2:20-21)	23 पण आ सुण'र क अरखिलाउस आपका बाप हेरो देस की झघां प यहूदिया दिसावर प राज करबा लाग्यो ह, बठै जाबाऊँ डरयो। (मत्ति2:22)	24 अर ओज्युँ सपना म परमेश्बर क खय्याँ गेल गलिल दिसावर म चल्यो गयो। (मत्ति2:22)
25 अर नासरत नाम की नगरी म जा बस्यो, जणा बो बचन पुरो होयो जो परमेश्बर की खेबाळो बोल्यो हो: "बो नासरी खुवासी।" (मत्ति2:23)	26 जद ईशु नासरत नगरी म हो, बा दिना म यहूदिया नगरी का टिबड़ा म यूहन्नो बतिष्मो देबाळो आयो। (मत्ति3:1)	27 अर आ खेर पर चार कर्यो क,"थे थारा हिया न पापाऊँ फेरो! क्युँ'क ईश्बर नगरी को राज सांकड़ै ह।" (मत्ति3:2)	28 ओ बोई मिनख ह जिकै बारा म यशायाह परमेश्बर कीखेबाळो खयो ह बीड़ म एक हलकारो हैल्लो मारै ह। "प्रबु ताँई गेलो बणाओ, अर बिको गेलो सिधो-सपाट करो।" (मत्ति3:3)	29 यूहन्नो ऊँट क बाळाऊँ बणेड़ा गाबा पेरतो हो अर कमर प चमड़ा को पट्टो बाँध्या करतो हो। बो टिड्या अर जंगळी शैद खाया करतो हो। (मत्ति3:4)	30 यहूदिया दिसावर यरदन नदी क आस-पास की झघा का अर यरुशलेम नगरी का घणक्राक मिनख बिकी सुणबा बिकै कनै गया। (मत्ति3:5)	31 बे आपका पापा न मान'र यरदन नदी म यहून्नाऊँ बतिष्मो लियो। (मत्ति3:6)

फरवरी

सोम	मंगळ	बुध	बिस्प	सकर	शनी	दित
1 जद बो देख्यो क बोळा सारा फरीसी अर सदुकि बतिष्मो लेबा ताँई बिकै कनै आर्या ही, जणा बो बाऊँ बोल्यो,अरै सपोलो परमेश्बर की सजाऊँ थे बच सको हो ई बात क बारा म थानै कुण बता दियो? (मत्ति3:7)	2 थारा करमाऊँ बेरो पडणो चाए क थे थारा हियानै पाप का गेलाऊँ फेर लिया हो। अर थे थारा हिया म अंय्यां मना सोचो क म्हारो बाप इब्राहम ह। (मत्ति3:8-9)	3 ई ताँई परमेश्बर म्हानै कोनी दंडसी; क्युं क म थारऊँ बोलु हूँ क परमेश्बर आ भाट्ठाऊँ बी अब्राहम ताँई टाबर पैदा कर सकै ह। (मत्ति3:9)	4 इब खुवाड़्यो दरख्त कि जड़ प रखेड़ो ह, ई ताँई जखो दरख्त चोखो फळ कोनी देवै, बिनै काट'र आग म बाळ दियो ज्यासी। (मत्ति3:10)	5 म तो थानै पाणीऊँ बतिष्मो देऊँ हूँ, जिऊँ ओ बेरोपाट सकै क थे थारा हियानै पापाऊँ फेर लियो ह। पण जखो मेरै पाछै आबाळो ह बो मेरऊँ बोळो महान ह; (मत्ति3:11)	6 म बिकी जुती उठाबा जोगो बी कोनी हूँ। बो थानै पबितर आत्मा अर आगऊँ बतिष्मो देसी। (मत्ति3:11)	7 बिको छाजळो बिकै हाथ म ह अर बो ग्यु न तुड़ीऊँ न्यारो करसी, ग्यु न ओबरी म भेळा करसी पण तुड़ी न आग म बाळसी। अर बा आग भुझबा की कोनी। (मत्ति3:12)
8 बि टेम ईशु गलिलऊँ यरदन क किनारै युहन्ना क कनै बिऊँ बतिष्मो लेबा आयो। पण युहन्नो अंय्यां बोल'र बिनैरोकबा लाग्यो, "मनै तो थारै हाथऊँ बतिष्मो लेबा की जुर्त ह अर थे मेरै कनै आया हो! (मत्ति3:13-14)	9 ईशु बिनै अंय्यां जबाब दियो, "इब तो अंय्यांई होबा दे, क्युँ'क जखी परमेश्बर चावै ह बोई आपानै करनो ह।" जणा बो बिकी बात मान लिनी। (मत्ति3:15)	10 अर ईशु बतिष्मो लेर जंय्यांई पाणी मऊँ बारनै आयो आकास खुलग्यो, अर ईशु परमेश्बर की आत्मा न कबुतर क रुप म आपकै उपर उतरता देख्यो। (मत्ति3:16)	11 जणा आकासऊँ हेल्लो आयो, "ओ मेरो लाडलो बेटो ह, जिऊँ म बोळो राजी हूँ।" (मत्ति3:17)	12 जणा पबितर आत्मा ईशु न बिड़ म लेगी जिऊँ शैतानऊँ बो बिचास्यो जावै। बो चाळिस दिन अर चाळिस रात बिना खाणो खाया रिह्यो। अर जद भुखऊँ बिकी आतड़ी ऐठबा लागी।(मत्ति4:1-2)	13 जणा बिचास्बाळो शैतान बिकै कनै आर बोल्यो, "ज तू परमेश्बर को बेटो ह जणा आ भाट्ठाऊँ बोल क रोटी बण जावै।" (मत्ति4:3)	14 ईशु बिनै जुबाब दिन्यो, शास्त्र म मांडेड़ो ह क, "मिनख रोटीऊँ इ कोनी जिवै पण बो हर एक बी बचनऊँ जखा परमेश्बर आपका मूंडाऊँ बोलै ह जिवै ह।" (मत्ति4:4)
15 बिकै पाछै शैतान बिनै पबितर नगरी यरूशलेम म लेगो अर मनदर की चोटी प खड़्यो कर दियो।अर बिऊँ बोल्यो,"ज तू परमेश्बर को बेटो ह जणा तळै कुदज्या" (मत्ति4:5-6)	16 क्युँ'क शास्त्र म मांडेड़ो ह क, "परमेश्बर आपका दूता न हुक्म देसी अर तेरा पगा म कांकरो गडै इऊँ पेलिई बे तनै हात्थु-हाथ बोचलेसी।" (मत्ति4:6)	17 ईशु बिऊँ बोल्यो, 'शास्त्र म ओबी मांडेड़ो ह क, "तु तेरा प्रबु परमेश्बर न मना बिचासिये।" (मत्ति4:7)	18 बिकै पाछै शैतान बिनै एक ऊँचा सारा डूंगर प लेग्यो अरसगळो जगत को राजपाट अर भोगबिलास की चिजा दिखाई। (मत्ति4:8)	19 अर बोल्यो "ज तू मेरै आगै गोडा टेक'र मनै धोकै जणा म ओ सगळो राजपाट तनै दे देस्युँ।" (मत्ति4:9)	20 जणा ईशु बिनै बोल्यो, "हे शैतान दुर भागज्या!"शास्त्र म मांडेड़ो ह, "तु प्रबु परमेश्बर न ई ध्यारजे अर बिकी ई सेवा करजे।" (मत्ति4:10)	21 जणा शैतान बिकै कनैऊँ चलेगो अर, ईश्बर नगरी दूत आर बिकी देखभाळ करबा लाग्या। (मत्ति4:11)
22 जद ईशु अंय्यां सुण्यो क यूहन्ना न कैद कर लियो गयो ह जणा बो गलील म चलेगो। (मत्ति4:12)	23 अर बो नासरत न छोड़'र कफर नहुम म जखो दरियाव क किनारै जबुलून अर नप्ताली दिसावर म ह बठै जा'र रेहबा लाग्यो, (मत्ति4:13)	24 जखा अँधेरा म बैठ्या हा, बे च्यानणो देख्या; अर जखा मौत का काळ म हा बाकै उपर बि च्यानणो चमक्यो।" (मत्ति4:16)	25 जद ईशु कफर नहुम म हा बि टैमई परचार करबो चालू कर्यो "थे थारा हिया न पाप का गेलाऊँ फेरो! क्युँ'क ईश्बर नगरी को राज साकड़ै ह।" (मत्ति4:17)	26 एक बर ईशु गलिल दरियाव क किनारैकिनारै जार्योहो जणा दो भाईया न देख्यो (मत्ति4:18)	27 बामैऊँ एक को नाम शमौन जिनै पतरस बी खेता हा; अर बिकाळो भाई अन्द्रियास हो बे दरियाव म जाळ गेरर्या हा; क्युँ'क बे मछि पकड़बाळा हा। (मत्ति4:18)	28 ईशु बाऊँ बोल्यो, "मेरै गेल आओ, म थानै मिनखा न भेळा करबा की सीख देस्युँ।" बे तावळासा आपका जाळ फिंक'र बिकै सागै हो लिन्या। (मत्ति4:19-20)
29 बठैऊँ क्युंक दूर चालबा क पाछै ईशु देख्यो क जब्दि का बेटा याकुब अर बिको भाई युहन्नो आपका बाप क सागै न्यावड़ी म जाळ सुधार्या हा बानै आपकै कनै बुलायो। (मत्ति4:21)						

सरकारी छुट्टी
जन. 26 - गणतंत्र दिवस

Shekhawati Masih Samikshya Samiti
Sikar Rajasthan, Phone:- 01572243199
Website:-www.shekhawatiasha.com

2016

परमेश्वर, थे म्हारा बाप हो, म्है माटी अर थे म्हारा कुम्हार हो; म्है सगळा थारै हाथाऊँ रचेड़ा हां।

यशायाह 64: 8

O LORD, you are our Father. We are the clay, you are the potter; we are all the work of your hand.

Isaiah 64:8

मार्च

सोम	मंगळ	बुध	बिस्प	सकर	शनी	दित
	1 बे बी तावळा सा नाव अर आपका बाप न छोड़'र बिकै गेल हो लिन्या। (मत्ति4:22)	2 ईशु गलील नगरी की सगळी झघां म घुमतो होयो अर बाकी अरदास करबाळी झघा म परमेश्बर क राज क बारा म बताता अर लोगा का रोग अर कमजोरी न दुर करतो रिह्यो। (मत्ति4:23)	3 सगळा सीरिया देश म बिकी चर्चा फैलगी अर लोग सगळा रोगला न जखा भाँत-भाँत का रोगाऊँ रोगला हा, जखा पिड़ा म पड़्या हा, जामै ओपरी बलाय ही, (मत्ति4:24)	4 जामै दोरा आता हा अर हवा भेयड़ा मिनखा न बिकै कनै ल्याया अर बो बा सगळा न निरोगो कर दिन्यो। (मत्ति4:24)	5 इ बजैऊँ गलिल अर दिकापुलिस, यरुशलेम, यहुदियां अर यरदन नदी क परलै नाकै की नगर्यां का मिनख हा बाकी भिड़ की भिड़ बाकै गेल होगी। (मत्ति4:25)	6 जद ईशु बि भिड़ न देख्यो जणा डूँगर क उपर चढ़गो अर आपका चेला न सिख देबा ताँई बठै बेठगो। बे बिकी सुणबा ताँई बिकै कनै आया। (मत्ति5:1)
7 धन्य ह बे मिनख जिखा आत्मिक भुख राखै ह; क्युँ'क ईश्बर नगरी को राजपाट बाकोई ह! (मत्ति5:3)	8 धन्य ह बे जखा रोवै ह; क्युँ'क परमेश्बर बानै स्यांति देसी! धन्य ह बे जखा सुधा ही; बे धरती का हकदार होसी! (मत्ति5:4-5)	9 धन्य ह बे जखा धरम का काम करबा ताँई तड़पै ह; परमेश्बर बाकी इच्छ्या पूरी करसी! (मत्ति5:6)	10 धन्य ह बे जखा दयालु ह; क्युँ'क बापै दया करी ज्यासी! धन्य ह बे जाको मन परमेश्बर कि नजर्यां म खरो ह; बे परमेश्बर न देखसी! (मत्ति5:7-8)	11 धन्य ह बे जखा मेळ-मिलाप करावै ह; बे परमेश्बर का टाबर खुवासी! धन्य ह बे जखा धारमिकता की बजैऊँसताया जावै ह, क्युँ'क ईश्बर नगरी को राजपाट बाकोई ह! (मत्ति5:9-10)	12 धन्य हो थे जखा मनै मानबा की बजैऊँ मिनख थानै सतावै ह, थारी बेज्जती करै अर झूठ बोल'र हर बाता म थानै बुरा बतावीं हीं। (मत्ति5:11)	13 जणा थे राजी होज्यो क्युँ'क ईश्बर नगरी म थानै इको फळ मिलसी। क्युँ'क बे तो परमेश्बर कि खेबाळा न बि जखा थारऊँ पेलि हा बानै बि अंय्यांई सताया हा। (मत्ति5:12)
14 थे धरती का सगळा मिनखा ताँई लुण हो; पण जद लुण बेसुवाद होज्यावै। जणा बिनै ओज्यूँ नमकिन कोनी बणायो जा सकै। (मत्ति5:13)	15 अर नई बो कोई काम आवै। पण बिनै फैंक दियो जावै ह, जिऊँ बो लोगा क पगा तळे मशळ्यो जावै ह। (मत्ति5:13)	16 थे धरती का च्यानणा हो।अर जखी नगरी डूँगर प ह बा कोनी लुख सकै। (मत्ति5:14)	17 मिनख दियो जळार कुंडा तळै कोनी धरै पण आळ्या म धरै ह जिऊँ घर म आबा जाबाळा मिनखा न च्यानणो दिख सकै।(मत्ति5:15)	18 थारा चोखा काम बी दीया क च्यानणा की जय्याँ चमकणा चाए जिऊँ दुसरा मिनख भला कामा न थारै जरिए देख सकै। (मत्ति5:16)	19 अर थारा बाप की जखो ईश्बर नगरी म ह बिकी बडाई करै।" थे ओ मना सोचो क म मुसा का बिधान नहिस परमेश्बर की खेबाळा की मांडेड़ी पोथ्या न नाश करबा आयो हूँ। (मत्ति5:16-17)	20 म बानै नाश करबा कोनी आयो पण बानै पुरो करबा आयो हूँ। (मत्ति5:17)
21 इ ताँई जखो बी मिनख आ छोटीऊँ छोटी बाता मऊँ एकनई कोनी मानै अर बो बंय्यांई दूसरा मिनखा न बी करबा कि सिख देवै बो ईश्बर नगरी म छोटाऊँ बि छोटो खुवासी। (मत्ति5:19)	22 पण जखो मिनख बा बाता न मानै अर दूसरा मिनखा न बी मानबा ताँई सिखावै ह बो ईश्बर नगरी म बडो खुवासी। (मत्ति5:19)	23 म थारऊँ साची बोलूँ हूँ ज थारा नेकी का काम शास्त्रि अर फरीसीयां की नेकीऊँ बढ़'र कोनी ह जणा थे ईश्बर नगरी म कदैई कोनी जा सकोगा। (मत्ति5:20)	24 थे सुण्या हो, क आपणा बडकाऊँ बोल्यो गयो हो 'हत्या मना करज्यो' अर ज कोई हत्या करसी बिको न्याय होसी (मत्ति5:21)	25 पण म थारऊँ खेऊँ हूँ क ज कोई मिनखकोई प झाळ काडै बिकोन्यायहोसी। अर ज कोई मिनख कोईकी बेज्जति करै बिको न्याय पंचायत करसी; (मत्ति5:22)	26 अर ज कोई मिनख कोईनै बावळो खेवै बिनै परमेश्बर नरक की आग म गेरसी। (मत्ति5:22)	27 ई ताँई जद वेदी प चढावोचढाती टेम तनै यादआवै क तेरा भाई का मन म तेरे खिलाप कुटळाई ह। (मत्ति5:23)
28 जणा तू तेरा बी चढावा न बठै ई धर'र पेल्या तेरा भाईऊँ मेळ मिलाप करलेअर बिकै पाछै तू तेरा चढावा न चढाजे। (मत्ति5:24)	29 अर ज कोई तनै कचेरी मलेज्यावै जणा तू बिकै सागै गेला म ई सुळजेटो कर लिजे (मत्ति5:25)	30 कदै अंय्यां न होज्या क बो तनै पंचा क सामै पेश करै अर पंच सिपाईड़ा न सोपै अर सिपाईड़ा तनै काळ कोठरी म पटकै। (मत्ति5:25)	31 म तनै साँची बोलूँ हूँ ज तु एक बार बी काळ कोठरी म चलेगो जणा जद ताँई तू पाई पाई न चुका दे जद ताँई तु बठैऊँ कोनी छुट सकै। (मत्ति5:26)			

अप्रैल

सोम	मंगळ	बुध	बिस्प	सकर	शनी	दित
				1 थे जाणो हो थानै कह्यो गयो हो क थे कुकर्म मना करज्यो। पण म थारऊँ अंय्यां बोलु हूँ क ज कोई मिनख पराई लूगाई न बुरी नजर्याऊँ देखै ह जणा बो आपका हिया म बि लूगाईऊँ कुकर्म कर लिन्यो। (मत्ति5:27-28)	2 इ ताँई ज तेरी दांई आँख तनै पाप करावै जणा तू बिने फोड़दे; क्युँ'क तेर ताँई ओई भलो ह क तेरी काया को एक अंग नास होज्या पण तेरी सगळी काया नरग म जाबाऊँ बच ज्यावै। (मत्ति5:29)	3 अर ज तेरो दायो हाथ तनै पाप करावै जणा बिनै काट फेंक; क्युँ'क तेर ताँई ओई भलोह क तेरी काया को एक अंग नास होज्या पण तेरी सगळी काया नरग की आग म जाबाऊँ बच ज्यावै। (मत्ति5:30)
4 थानै अंय्यां बी बोल्यो गयो हो; क ज कोई आपकी लूगाई न छोड़बो चावै, जणा बिनै आपकी लूगाई न तलाकनामो देणो चाए। (मत्ति5:31)	5 पण सुणो, ज कोई मिनख आपकी लूगाई न कुकर्म क अलावा कोई ओर कारणऊँ छोडै ह अर बा लूगाई दुसरा मोटयार क सागै रेह्वै जणा बिको कुकर्मी होबा को जिमेदार बिको पेलड़ो मोटयार ह (मत्ति5:32)	6 अर बी छोडेड़ी लूगाईऊँ ब्याह करबाळो बी कुकर्म करै। थे आ बी जाणो हो क आपणा बडकाऊँ ख्यो गयो हो क थे सोगन मना तोड़ज्यो पण बिनै प्रबु का नाम म पुरो करज्यो। (मत्ति5:32-33)	7 पण म थानै खैऊँ हू क थे कदैई सोगन मना खाज्यो; न तो ईश्बर नगरी की क्युँ'क ओ परमेश्बर को सिंघासन ह। (मत्ति5:34)	8 अर न इ धरती की क्युँ'क आ प्रबु क पगा की चोकी ह। अर न यरुशलेम नगरी की क्युँ'क इको राजा परमेश्बर ह। (मत्ति5:35)	9 थे थारा सीर की सोगन बी मना खाज्यो क्युँ'क थे थारा बाळा मऊँ एक बी बाळ न तो धोळो अर न काळो कर सको हो। (मत्ति5:36)	10 पण थारी बात हाँ कि हाँ अर ना की ना हो। क्युँ'क जखो मिनख इकै अलावा क्युं बोलै ह जणा बो शैतान कानीऊँ ह। (मत्ति5:37)
11 थे जाणो हो थानै कह्यो गयो हो क "आँख क बदलै आँख अर दांत क बदलै दांत।" पण म थारऊँ खेऊँ हूँ थे थारै सागै बुराई करबाळा क सागै बुराई मना करज्यो। (मत्ति5:38-39)	12 पण ज कोई थारै दायां गाल प थपड़ मारै जणा बिकै कानी दूसरो गाल बी फेर दिज्यो। (मत्ति5:39)	13 अर ज कोई मिनख तेर प मुकदमो चला'र तेरो कुर्तीयो लेबो चावै जणा बिनै तेरो कोट बी दे दिजै। (मत्ति5:40)	14 अर जखो मिनख जबरदस्ती आपको समान तनै पकड़ा'र एक कोश पैदल ले ज्यावै जणा बिकै सागै दो कोश चल्यो जाए। (मत्ति5:41)	15 अर ज कोई मिनख तेरऊँ क्युँ माँगै जणा बिनै दिज्ये। अर ज कोई मिनख तेरऊँ उधारो लेबो चावै जणा बिनै बी मना मत करजे। (मत्ति5:42)	16 थारऊँ ओ बी खय्यो गयो हो क, "थे थारा पड़ोसी ऊँ प्रेम करज्यो अर थारा दूश्मना ऊँ नफरत करियो। (मत्ति5:43)	17 पण म थानै खेऊँ हू क थे थारा बेरीऊँ प्रेम करज्यो। अर जखो थानै सतावै, बा ताँई बी अरदास करज्यो। (मत्ति5:44)
18 जिऊँ थे ईश्बर नगरी म रेह्बाळा थारा बाप की ओलाद बण सको। क्युँ'क परमेश्बरभला अर बुरा दोन्यु जंय्यां का मिनखा प सूरज को च्यानणो करै ह। (मत्ति5:45)	19 अर धरमी अर पापी दोन्यु प म्हे बरसावै ह।अंय्यां म इ ताँई खेऊँ हूँ क्युँ'क ज थे थारऊँ प्रेम करबाळा क सागैई प्रेम करस्यो जणा थानै बिको काँई फळ मिलसी। (मत्ति5:45-46)	20 अर ज थे थारा भाईड़ा की ई आव-भक्त करो हो जणा इमै कुणसी बड़ाई ह? अंय्यां तो गेर यहूदी मिनख बी कोनी करै के? (मत्ति5:47)	21 इ ताँई थानै सिद्ध बणनो चाए,जंय्यां की ईश्बर नगरी म रेबाळो थारो बाप सिद्ध है। (मत्ति5:48)	22 चोकन्ना रेवो! परमेश्बर आ चावै ह क थे लोगा न दिखाबा ताँई धरम का काम मना करज्यो (मत्ति6:1)	23 अर ज अंय्या करस्यो जणा थानै परमपिता जखो ईश्बर नगरी म ह बो बाको फळ कोनी देसी। (मत्ति6:1)	24 इ ताँई जद थे दान द्यो जणा बिको ढींढोरो मना पिटज्यो, जंय्यां क ढोंगी मिनख अरदास करबाळी झघां अर गळी कुचळया म खुद की मिनखाऊँ बडाई कराबा ताँई करै ह। (मत्ति6:2)
25 म थारऊँ साची बोलूँ हूँ बानै बाको फळ पेली मिलगो। पण जद तू दान देवै जणा जो तेरो दायो हाथ करै बिको तेरा बाया हाथ न बेरो ना पड़ै। (मत्ति6:2-3)	26 जिऊँ तेरो दान ओला म रेवै अर तेरो परमपिता परमेश्बर तनै देखसी अर जखो तू ओला म दियो ह बिको फळ तनै देसी। (मत्ति6:4)	27 जद थे अरदास करो,जणा ढोंग्या की जंय्यां मना करज्यो। क्युँ'क बे यहूदिया की अरदास करबाळी झघां म अर गुवाड़ म खड़्या होर अरदास करै ह जिऊँ लोग बानै देख सकै। (मत्ति6:5)	28 म थानै साची खेऊँ हूँ क बानै इको फळ मिलगो। (मत्ति6:5)	29 पण जद तू अर दास करै जणा तू तेरा खुद का कोठा म जा कूवांड़ जुड़'र परमेश्बरऊँ जिनै कोई कोनी देख सकै अर जो तेरा ओला म करेड़ा कामानै देखै ह। (मत्ति6:6)	30 बो तनै बाको फळ देसी।जद थे अरदास करो जणा गैर-यहूदी मिनखा की जंय्यां मना करज्यो (मत्ति6:6-7)	क्यू'क बे आ सोच'र अय्याँ करी ही क बाकै बार- बार बोलबा की बजैऊँ बाकी सूणली ज्यासी। (मत्ति6:7)

सरकारी छुट्टी

मार्च 24 - होली
मार्च 25 - शुभ-शुक्रवार
अप्रै. 14 - अम्बेडकर जयंती
अप्रै. 15 - रामनवमी
अप्रै. 20 - महाविर जयंती

Shekhawati Masih Samikshya Samiti

Sikar Rajasthan, Phone:- 01572243199

Website:-www.shekhawatiasha.com

2016

बो सगळा जिवा को पेट भरै ह।
बिकी दया सदाई बणी रेह्सी।

भजन संहिता 136:25

He gives food to every living creature;
his love is eternal.
Isaiah 136:25

मई

सोम	मंगळ	बुध	बिस्प	सकर	शनी	दित
30 पबितर चिजा गन्कड़ा क आगै मना गेरो। अर न सूलडा क आगै मोती बखेरो। (मत्ति7:6)	31 क्युँ'क ज थे अंय्यां करस्यो जणा बे सूलडा आ मोत्या न आपका पगा तळै रोधसी, अर गन्डकड़ा बी पाछै मुड़र थानै फाड़ गेरसी। (मत्ति7:6)					1 ई ताँई थे बाकी जंय्यां मना बणज्यो क्युँ'क थारो परमपिता थारै माँगबाऊँ पेल्याई जाणै ह क थारी जुरत काँई ह। (मत्ति6:8)
2 थे अंय्यां अरदास करो ईश्बर नगरी म रेबाळा म्हारा बापू, थारा नाम न मेमा मिलै। (मत्ति6:9)	3 थारो राज आवै। जंय्यां थारी इच्छा ईश्बर नगरी म पुरी होवै ह बंय्यांई धरती प बि होवै। (मत्ति6:10)	4 थे म्हारी आज की जुर्त पुरी करो। अर जंय्यां म्हें म्हारै खिलाप बुराई करबाळा न माफ कर्या हा बंय्यांई थे म्हानै माफ करो। (मत्ति6:11-12)	5 अर थे म्हानै विचासबा मना द्यो पण बुराईऊँ बचावो। ज थे मिनखा का पापा न जखा थारै खिलाप कर्या गया बानै माफ करस्यो जणाई थारो ईश्बर नगरी बापू बी थारा पापा न माफ करसी। (मत्ति6:13-14)	6 अर ज थे दूसरा मिनखा न माफ कोनी करस्यो जणा थारो ईश्बर नगरी बापू बी थारा पाप माफ कोनी करसी। (मत्ति6:15)	7 जद थे बरत करो जणा ढोंग्या की जंय्यां मूंडा प उदासी मना ल्याज्यो, क्यूँ क बे आ दिखावै ह क बे बरत कर मेल्या ही म थानै साची खेऊँ हूँ, क बानै बाको फळ मिलगो। (मत्ति6:16)	8 पण जद तू बरत करै जणा मूंडो धो'र सिर प तेल लगाज्ये। जिऊँ मिनखानै नई पण तेरा ईश्बर नगरी बापूनै जखो ओला म ह बिनै तेरा बरत क बारै म बेरो चालै जणा बो तनै इको फळ देसी। (मत्ति6:17-18)
9 इ धरती प थे धन भेळो मना करो। क्युँ क अठै इकै धिवळ अर जर लागज्यावै ह अर चोर चुरा'र लेज्यावै ह। (मत्ति6:19)	10 इकै बदलै अंय्यां का काम करो जखा परमेश्बर न भावै अय्याँकरबो ईश्बर नगरीम धन भेळो करबा की जंय्यां ह जठै बिकै न तो दिवळ लागै न जर अर नई बिनै चोर चुरावै। (मत्ति6:20)	11 क्युँ'क जठै थारो धन होसी बठैई थारो मन होसी। थारी काया को दियो आँख ह इ ताँई ज थारी आँख निरोगी ह तो थारी सगळी काया म बी च्यानणो रेसी। (मत्ति6:21-22)	12 ज तेरी नजर्या बुरी होज्या जणा तेरी सगळी काया म अँधैरो होज्यासी। इ ताँई जो च्यानणो थारै माइनै ह ज बोई बुझज्यासी जणा थारो काँई गेलो? (मत्ति6:23)	13 कोई बी मिनख एक सागै दो मालिका कीसेवा कोनी कर सकै। क्युँ'क बो एक'ऊँ तो प्रेमभाव राखसी अर दुसरा'ऊँ नफरत करसी, (मत्ति6:24)	14 एक'ऊँ तो बफाधार रेसी दूसरानै छोटो जाणसी। अंय्यांई थे धन अर परमेश्बर की सागै सेवा कोनी कर सको। (मत्ति6:24)	15 थे थारा जिव कि चिन्ता मना करज्यो कि काँई खास्यो अर काँई पिस्यो? अर नाई काया की चिन्ता करज्यो की इनै किऊँढकस्यूं?क्युँ'क जिव रोटीऊँ अर काया गाबाऊँ बड'र ह। (मत्ति6:25)
16 थे आकास का पंछीयान देखो बे न तो बोवै ह अर न काटै,अर न बे आपकी बखार्या म नाज भेळो करै, जणा बी थारो ईश्बर नगरी बापू बाको पेट भरै ह। के थे बाऊँ बढर कोनी ? (मत्ति6:26)	17 थार म अंय्यां को कुण ह जखो चिन्ता करके खुद की उम्र म एक घड़ी बी बढा सकै? (मत्ति6:27)	18 गाबल्या कीचिन्ता क्युँ करो हो?रोई म उगबाळा रोईड़ा का बोझा न देखो बे कंय्याँ खिल्या रेवै ह। बे न तो काम करी ही अर नाई बे खुद ताँई गाबा सिवी ही। (मत्ति6:28)	19 म थानै बताऊँ हू क सुलेमान राजा बी आपका राटपाट कावैभव म बामैऊँ एक की जंय्यां का बी गाबा कोनी पेर सक्यो। (मत्ति6:29)	20 मैदान म उबाळी घास न देखो जो आज ह पण काल बिनै भटी म झोंक दियोजावै ह बिनै परमेश्बर चोखा गाबा पिरावै ह (मत्ति6:30)	21 जणा बिश्वास म कमजोर मिनखो परमेश्बर थानै बी पक्काई चोखा गाबा पिरासी। इ ताँई थे खाबा-पिबा की अर गाबा की चिन्ता मना करज्यो। (मत्ति6:30-31)	22 गैर-यहूदी मिनख आ सगळी चिजा क गेल भागता रेवै ह पण थारो ईश्बर नगरी बापू थारी सगळी जुर्तानै जाणै ह। (मत्ति6:32)
23 सऊँ पेल्या परमेश्बर का राज न हेरो अर सही गेला प चालो, जिऊँ थानै अ सगळी चिजा मिल ज्यासी। (मत्ति6:33)	24 काल की चिंता मना करो,क्युँ क काल ताँई काल की ई चिंता घणी ह।अर हरेक दिन की चिंता बि दिन ताँई घणिई होवै ह। (मत्ति6:34)	25 कोई का बी पाप भर्या कर्मा को न्याय मना करो जिऊँ परमेश्बर बी थारा पापभर्या कर्मा को न्याय कोनी करसी (मत्ति7:1)	26 क्युँ'क थारो बी फेसलो बंय्यांई कर्यो जासीजंय्यां थे न्यायकरबाळी टेम दूसरा मिनखा क सागै करो हो। अर जि नाप'ऊँ थे दूसरा ताँई नापो हो बि नाप'ऊँ इ थार ताँई बी नाप्यो ज्यासी। (मत्ति7:2)	27 तनै डुंगर बळती तो दिखै पण पघां बळती कोनी दिखै।तनै खुद की बडी- बडी गळत्या तो सूजैई कोनी अर चाल्यो दुसरा की छोटी-छोटी गळत्या न सुधारबा (मत्ति7:3-4)	28 जणा पाछै तु कय्यां खै सकै ह आ भाईड़ा म तेरी गळत्यानै सुधार द्युँ। ओ ढोंगी पेली खुद की बडी बडी गळत्यानै तो सुधारले (मत्ति7:4-5)	29 जणा पाछै कठै जा'र तु ओरा की छोटी छोटी गळत्यानै पिछाण'र बानै सुधारबा म बाकी मदत कर सकै ह। (मत्ति7:5)

जून

सोम	मंगळ	बुध	बिस्प	सकर	शनी	दित
		1 परमेश्बर'ऊँ माँगो, जणा थानै दियो जासी। अर हेरो जणा थानै लाधसी अर खुड़खुड़ाओ जणा थारै ताँई खोल्यो ज्यासी। (मत्ति7:7)	2 क्युँ'क जखो माँगै, बिनै मिलै ह, जखो हेरै ह बिनै लाधै ह, जखो खुड़खुड़ावै ह बि ताँई खोल्यो जावै ह। (मत्ति7:8)	3 थार म अंय्यां को कुणसो बाप ह जिऊँ बिको बेटो रोटी माँगै जणा बो बिनै भाठ्ठा देवै ह? (मत्ति7:9)	4 अर नाई अय्याँ को बाप ह जिऊँ बिको बेटो मछी मांगै जणा बिनै साँप पकड़ावै। (मत्ति7:10)	5 इ ताँई थे चाए बुरा मिनख क्युँ न हो, जणा बी थे जाणो हो क टाबरा न चोखी चिजा कंय्यां दि जावै ह। (मत्ति7:11)
6 जणा थारो परम-पिता परमेश्बर जखो ईश्बर नगरी म बिराजै ह बे बाऊँ माँगवाळा मिनखा न चोखी चिजा क्युँ कोनी देसी? (मत्ति7:11)	7 इ ताँई जंय्यां थे चावो होक दूसरा मिनख थारै सागै चोखो सूलुक करै। जणा थे बि बाकै सागै बंय्यां को सूलुक करो। क्युँ'क ओ मूसा का विधि विधान अर परमेश्बर की खेबाळा क जरिये परमेश्बर दियो ह। (मत्ति7:12)	8 सकड़ा बारना क गेलाऊँ बड़ो क्युँ'क चोड़ा बारना को गेलो नास कानी लेज्यावै ह। बोळा मिनख ह जखा चोड़ा बारना का गेलाऊँ जार्या ही। (मत्ति7:13)	9 पण सकड़ा बारना को गेलो जीवन कानी जार्यो ह। अर थोड़ा मिनख इ गेलै जार्या ही। (मत्ति7:14)	10 थे बा परमेश्बर की खेबाळा'ऊ बच'र रिज्यो जखा झूठ बोलै ह! बे लल्डी की खोळ म फाड़ खाबाळा ल्याळी ही। (मत्ति7:15)	11 पण थे बानै बाका कर्मा'ऊ पिचाण लेस्यो। क्युँ'क थे जाणो हो क झाड़ी क अगूँर कोनी लागै अर नई केर क अंजीर। (मत्ति7:16)	12 अंय्याइं चोखा दरख्त क चोखा फळ अर बुरा दरख्त क बुरा फळ लागै। (मत्ति7:17)
13 अर नई एक चोखो दरख्त क बुरो फळ लाग सकै ह अर नई एक बुरा दरख्त क चोखा फळ लाग सकै ह। (मत्ति7:18)	14 पण जि दरख्त क चोखा फळ कोनी लागै,बिनै काट'र आग क माईनै बाळ्यो जावै ह। इ ताँई म थानै ओज्युँ खेऊँ हूँ क थे बा मिनखा न बाका कर्मा का फाळा'ऊँ पिचाण लेस्यो। (मत्ति7:19-20)	15 प्रबु-प्रबु करबाळा सगळा मिनख ईश्बर नगरी राज म कोनी ज्यासी। पण जखो बी मिनख ईश्बर नगरी म रेबाळा मेरा बाप की ईच्छा गेल चालै ह, बोई बिमै ज्यासी। (मत्ति7:21)	16 बि न्याय हाळै दिन बोळा मिनख मनै खेसी "प्रबु हे प्रबु! म्हें थारै नाम'ऊँ थारी बाता कोनी बताया हा के? (मत्ति7:22)	17 अर थारै नाम'ऊँ ओपरी बलाय कोनी काडी ही के? अर थारै नामऊँ बोळा सारा ताजूब का काम कोनी कर्या हा के? (मत्ति7:22)	18 जणा म बानै साफ साफ खेस्यूँ क म थानै कोनी जाणू, 'हे बुरा कर्म करबाळो मेरै कनै'ऊँ चल्या जावो।' (मत्ति7:23)	19 ई ताँई जखो बी मेरा बचना न सूणै ह अर बापै चालै ह बिकी बराबरी बी बुद्धिमान मिनख'ऊँ करी गई ह जो आपको घर ढाड प बणायो (मत्ति7:24)
20 जणा मि बरस्यो, बाढ आई, भाळ की फटकार लागी पण बो ढयो कोनीक्युँ'क बि घर की नींव ढाड प धरेड़ी ही। (मत्ति7:25)	21 पण जखो बी मिनख मेरा बचना न सूणै तो ह पण बापै चालै कोनी, बो बी बावळा मिनख की जंय्यां ह ज आपको घर बाळू प बणायो (मत्ति7:26)	22 अर जद मि बरस्यो, बाढ आई, भाळ की फटकार लागी जणा बो घर ढग्यो। (मत्ति7:27)	23 अर जद ईशु आपकी बाता बानै खे सूणाई, जणा बी भीड़ न ईशु की सीख प ताजूब होयो। (मत्ति7:28)	24 क्युं क ईशु बानै यहूदी नेता की जंय्यां कोनी पण एक अधिकारी की जंय्यां सिख देर्यो हो। (मत्ति7:29)	25 इकै पाछै जद ईशु डूंगर'ऊ तळै उतर्यो जणा मिनखा की भिड़ बाकै गेल हो लिन्यी। (मत्ति8:1)	26 बामै एक कोढी बी हो। बो ईशु क कनै आयो अर बाकै पगा म धोख खार बोल्यो,"मराज म जाणू हूँ क थे मेरो कोढ धो सको हो। (मत्ति8:2)
27 आ सूण'र ईशु बिकै हाथ अड़ार बिऊँ खय्यो,"म चाऊँ हूँ क तेरो कोढ धुपज्या!" अर जद की जद इ बिको कोढ धूपगो। (मत्ति8:3)	28 पण ईशु बिऊँ खयो, "इ बात क बारा म खिनैई मना खीजे।पण याजक क कनै जार खुद न दिखा" (मत्ति8:4)	29 अर मूसा की रित-गेल भेट चढा जिऊँ मिनखा न तैरै निरोगी होबा को सबुत मिलै। (मत्ति8:4)	30 अर मूसा की रित-गेल भेट चढा जिऊँ मिनखा न तैरै निरोगो होबा को सबुत मिलै। (मत्ति8:4)			

सरकारी छुट्टी
मई 1 - मजदूर दिवस
मई 21 - बुद्ध पूर्णिमा

Shekhawati Masih Samikshya Samiti

Sikar Rajasthan, Phone:- 01572243199

Website:-www.shekhawatiasha.com

2016

पण ज मेरा देयड़ा पाणी मऊँ कोई पिवै, जणा बो ओज्यूँ कदैई तीसायो कोनी होवै।

युहन्ना 4:14

But those who drink the water that I will give them will never be thirsty again.

John 4:14

जुलाई

सोम	मंगळ	बुध	बिस्प	सकर	शनी	दित
				1 अर जद ईशु कफरनहूम नगरी आयो, जणा रोमी सुबेदार ईशु क कनै आर अरदास करबा लाग्यो मराज मेरो एक दास घर क माईनै रोगलो पड़्यो ह। बिकै हवा भेगी इ बजै'ऊ बिनै पिड़ा होरी ह। (मत्ति8:5-6)	2 जणा ईशु बिऊँ खयो म बठै आर बिनै निरोगो करस्यूँ।जणा बो सुबेदार ईशु'ऊँ बोल्यो, मराज म इ जोगो कोनी क थे मेरै घरा पधारो। थे तो अठै'ऊ इ आदेश करद्यो जणा मेरो दास निरोगो होज्यासी। (मत्ति8:7-8)	3 क्युँ'क म अंय्यां को मिनख हूँ जो अधिकार्या क तळै काम करूँ हूँ अर मेरै तळै बी सिपाईड़ा काम करै ह। अर जद म एक सिपाईड़ा न खेऊँ हूँ चल्यो जा जणा बो चल्यो जावै ह (मत्ति8:9)
4 अर जद दूसरा न खेऊँ हूँ आज्या जणा बो आज्यावै ह अर जद म मेरा दास'ऊँ खेऊँ हूँ क अंय्यां कर जणा बो बंय्यांई करै ह। (मत्ति8:9)	5 जद ईशु बिकी अ बाता सूणी जणा ताजुब कर्यो अर बी भीड़'ऊँ बोल्यो जखी बाकै गेल आरी ही "म थानै साची खेऊँ हूँ म इस्राएल का मिनखा म अंय्यां को बिश्वास कोनी देख्यो। (मत्ति8:10)	6 म थानै बता'ऊँ हूँ क बोळा मिनख अगुणी अर पाछुणी दिशाऊँ आसी अर बे ईश्बर नगरी म अब्राम, इसहाक अर याकूब क सागै जिमबा बैठसी। (मत्ति8:11)	7 पण जखी पिढी न राज मिलबाळो हो बिनै अँधेरा म गेर दियो ज्यासी जठै रोणो-धोणो अर दात पिसबो होसी। (मत्ति8:12)	8 ईकै पाछै ईशु बि सूबेदार'ऊँ बोल्यो, "चल्यो जा जंय्यां को तेरो बिश्वास ह बंय्यांई तेरै सागै होसी।" जणा बी टेमई बिको दास निरोगो होगो। (मत्ति8:13)	9 जद ईशु पतरस क घरां गयो बठै पतरस की सासू बुखार म पड़ी ही जणा ईशु बिकै हाथ अड़ायो अर बा निरोगी होगी। अर बा खड़ी होर बाकी आव-भगत्त करबा लागी। (मत्ति8:14-15)	10 जद दिन आथगो जणा लोग बा मिनखानै जामै ओपरी-बलाय ही बाकै कनै लेर आया। ईशु बा ओपरी बलाय न हूक्म देतो अर बे बाको हूक्म मान'र बाकै माईनै'ऊँ निश'र जाती। (मत्ति8:16)
11 अर बे बा सगळा मिनखा न निरोगो कर्या जखा रोगला हा। अंय्यां इ ताँई होयो क्युँ'क यशायाहा परमेश्बर की खेबाळो जो खयो हो बो पुरो होवै: (मत्ति8:16-17)	12 बे आपणा रोगा न खुद प लेर अर आपणी बिमार्यानै सेर'र दुर कर दिनी। (मत्ति8:17)	13 जद ईशु आपकै च्यारूमेर भीड़ देखी जणा बे आपका चेला न दरियाव क परलै नाकै जाबा को हूक्म दियो। (मत्ति8:18)	14 बि टेम क एक यहूदी जिनै शास्त्र को ज्ञान हो, बो ईशु क कनै आर बोल्योमराज थे जठै बी जास्यो म बी थारै गेल ज्यास्यूँ। (मत्ति8:19)	15 बे बिकी इ बात न सूण'र बिऊँ कह्यो, "गादड़ा की घुर्र अर पंछिया काघुर्सळा होवीं पण मिनखा का बेटा क कनै सिर टेकबा को बी ठिकाणो कोनी। (मत्ति8:20)	16 अर ईशु को एक चेलो बाऊँ खय्यो "गुरू जी, मनै पेल्या मेरा बाप न गाडबा द्यो। (मत्ति8:21)	17 पण ईशु बिऊँ बोल्यो,"मेरै गेल होलै क्युँ'क परमेश्बरबामिनखा न जाकै कनै जुग जुग को जीवन कोनी बानै मरेड़ो समझै ह बा मरेड़ा मिनखा न बाका मरेड़ा न गाडबा दे।" (मत्ति8:22)
18 बिकै पाछै बे एक न्यावड़ी क माईनै जार बैठगा। बाकै सागै बाका चेला बी हा।जद बे न्यावड़ी क माईनै हा बि टेम क दरियाव क माईनै जोरको तूफान आयो (मत्ति8:23-24)	19 अर नावड़ी म पाणीभरबालाग्यो पण ईशु सोर्यो हो जणा बे ईशु कन्नै गयाअरबानैजगार बाऊँ बोल्या,"प्रबु म्हानै बचाओ। क्युँ'क आपां मरबाळा हाँ! (मत्ति8:24-25)	20 जणा ईशु बाऊँ बोल्या, हे कम बिश्वास राख बाळो! थे अंय्यां क्युँ डरोहो?बिकै पाछै बे भाळनै अर दरियावनै दकाल्या जिऊँ सक्युँ शांत होगो। (मत्ति8:26)	21 बे मिनख ताजूब म पड़गा, अर आपसर्या म बतळाबा लाग्या, "ओ मिनख कुण ह? जिकी बाता तूफान अर दरियाव बी मानै ह!" (मत्ति8:27)	22 बिकै पाछै ईशु गदरेनिया दिसा वर म पुच्यां, ओ दिसावर दरियाव क परलै नाकैहो। जणा बठै दो मिनख बानै मिल्या जखा कब्रिस्तान'ऊँ निकळर आर्या हा (मत्ति8:28)	23 बाकै माईनै ओपरी बलाय ही। बे अंय्यां का खतरनाक मिनख हा की बाकै बजै'ऊँ बि गेलै कोई बी कोनी जातो हो। (मत्ति8:28)	24 बे जोर'ऊँ बोल्या "हे परमेश्बर का बेटा, थे म्हार'ऊँ के चावो हो?के थे थारा टेम'ऊँ पेल्याई म्हानै नास करबा आया हो? (मत्ति8:29)
25 अर बठैई क्युंक दूर एक सूलडा को रेवड़ चरो हो। इ ताँई बे ओपरी बलायबाऊँ अरदास कर'र बोली, ज थे म्हानै आ मऊँ काडो हो जणा बा सूलडा का रेवड़ क माईनै भेज द्यो।(मत्ति8:30-31)	26 जणा ईशु बाऊँ बोल्यो, जाओ जणा बे बा मिनखा'ऊ निकळ'र बा सूलडा क माईनै बड़गी। (मत्ति8:32)	27 इकै बजै'ऊ बे सूलडा ढळान'ऊँ गुड़ता गुड़ता दरियाव क माईनै जा पड़्या अर मरगा। (मत्ति8:32)	28 अर सूलडा का गुवाळ्यानगरीम जार जो क्युँ बठै होयो हो बिकै बारा म अर जखा मिनखा म ओपरी बलाय ही बाकै सागै काँई होयो बिकै बारा म खे सूणायो। (मत्ति8:33)	29 आ सूण'र बी नगरी का मिनख ईशु ककनै आगा अर बाऊँअरदास करबा लाग्या की बे अठै'ऊँ चल्या जावै। (मत्ति8:34)	30 ईशु एक नावड़ी म बैठ'र दरियाव क परलै नाकै खुद की नगरी कफरनून म आग्या। (मत्ति9:1)	31 जणा लोग एक हवा भेयड़ा मिनखनै खाटली म घाल'र बाकै कनै ल्याया। ईशु बाको ओ बिश्वास देख'र बि हवा भेयड़ा मिनख'ऊँ बोल्या,"हिमत राख, तेरा पाप धुपगा!(मत्ति9:2)

अगस्त

सोम	मंगळ	बुध	बिस्प	सकर	शनी	दित
1 जणा क्युंक शास्त्रानै सीखाबाळा यहूदी मिनख आपसर्या म बतळाबा लाग्या, "ओ अंय्यां बोल'र परमेश्बर को अपमान करै ह। (मत्ति9:3)	2 ईशु बाकी हिया की बाता न जाण'र बाऊँ बोल्यो, "थे थारा हिया म बुरो क्युँ सोचो हो? (मत्ति9:4)	3 सोरो काँई ह? के अंय्यां खेबो 'तेरा पाप धुपगा नहिस अंय्यां खेबो खड़्यो होर चाल फिर?' (मत्ति9:5)	4 जिऊँ थे आ जाण सको की इ धरती प पाप माफ करबा को हक मिनख का जाया क कनै ह। इकै पाछै ईशु बि हवा भेयड़ा मिनख'ऊँ बोल्यो, "खड़्यो होर तेरी खाटलीनै उच'र तेरै घरा चल्यो जा।(मत्ति9:6)	5 बो मिनख खड़्यो होर आपकै घरा चलगो। लोग आ देख'र डरगा। बे परमेश्बर की जे जैकार करबा लाग्या क बे मिनखनै ताजूब का काम करबा की शक्ति दिनी ह। (मत्ति9:7-8)	6 जद ईशु बठै'ऊँ जार्यो हो जणा बे चुंगी चौकी प एक मिनखनै बैठ्या देख्या। बिको नाम मत्ती हो। ईशु बिऊँ बोल्यो, "मेरै गेल होले।" जणा बो खड़्यो होर बाकै गेल होलियो। (मत्ति9:9)	7 अर जद ईशु आपका चेला क सागै मत्ती क घरा रोटी खाबा ताँई बैठ्या जणा बठै बाकै सागै रोटी खाबा ताँई चुंगी लेबाळा अर पापी मिनख बी बैठ्या। (मत्ति9:10)
8 बानै सागै बैठ्या देख'र क्युंक फरीसी ईशु का चेलानै खया,"थारो गुरू तो चुंगी लेबाळा अर पापी मिनखा क सागै खावै अर उठा-बैठी करै ह?" (मत्ति9:11)	9 आ सूण'र ईशु बाऊँ बोल्यो, "निरोगा मिनखानै बैद की जुर्त कोनी होवै, रोगलानै ही बैद की जुर्त पड़ै ह। (मत्ति9:12)	10 इ ताँई थे जाओ अर शास्त्र म मांडेड़ा इ बचन को मतबल काँई ह बिनै समझो, 'म बलिदान कोनी चाऊँ पण दया चाऊँ हूँ। (मत्ति9:13)	11 म धर्मिया ताँई कोनी आयो पण पाप्यां न बुलाबा आयो हूँ'। (मत्ति9:13)	12 इकै पाछै यहून्ना बतिष्मो देबाळा का चेला ईशु क कनै गया अर बानै बुझबा लाग्या, "थारा चेला बरत क्यूं कोनी करै? जदकि म्हे अर फरिसि बार-बार बरत करां हाँ। (मत्ति9:14)	13 जणा ईशु बानै खेबा लाग्या, "ब्याव की टेम जद बिंद आपका भाईला क सागै ह जणा बिका भाईला दुःख मनावै ह के? (मत्ति9:15)	14 पण बे दिन आसी जद बिंद बाऊँ न्यारो कर्यो जासी जणा बे बरत करसी। (मत्ति9:15)
15 कोई बी नयासूति गाबा की कारी पुराणा गाबा प कोनी लगावै,अर ज कोई लगा बी ले जणा नयी कारी भेळी होर बि गाबल्यानै दुणो फाड़ गेरै। (मत्ति9:16)	16 अंय्यांई नयी अंगूरी पुराणी बखाल म कोनी भर्यो जावै क्युं'क ज्युँ-ज्युँ बो उठै जणा बा अंगूरी पुराणी बखाल न फाड़गेरै अर अंगूरी अर बखाल दोन्युई खराब हो ज्यावै।(मत्ति9:17)	17 ईशु जद अ बाता बानै बतार्या हि हा क अता म ही एक यहूदी सभा को एक नेतो बाकै कनै आयो अर बाकै धोक खार बाऊँ अरदास करतो बोल्यो, (मत्ति9:18)	18 "इबी-इबी मेरी छोरी मरी ह। ज थे चाल'र बिकै उपर हाथधरद्यो जणा बा ओज्यु जिन्दा होज्यासी।" (मत्ति9:18)	19 बिकी बाता सूणर ईशु खड़्यो होर आपका चेलानै सागै लेर बिकै सागै चालबा लाग्यो। (मत्ति9:19)	20 बठै एक लूगाई ही जिकै बारा बरसा'ऊँ न्याणी को रोग हो। बा ईशु क गेलनै आर बाका गाबा की कूट क हाथ अड़ा दिनी। (मत्ति9:20)	21 क्युँ'क बा सोच्या करती ही क ज म ईशु क गाबा की कूट क हाथ अड़ा देस्युँ तो म निरोगी होज्यास्यूँ। (मत्ति9:21)
22 गेलनै मुड़'र ईशु बिनै देख'र बोल्यो,"बैटी हिम्मत राख। तेरो बिश्वास तनै निरोगो कर्यो ह।" अर बा लूगाई जद की जद निरोगी होगी। (मत्ति9:22)	23 जद ईशु बि यहूदी नेता क घरा पूच्यां जणा बे देख्या क लोग बी छोरी क मरबा की बजै'ऊँ रोइ पिटी करबा लागर्या ही। (मत्ति9:23)	24 जणा ईशु बा मिनखा'ऊँ बोल्या थे अठै'ऊँ बारनै चल्या जाओ आ छोरी मरी कोनी पण सोवै ह। आ सूणर लोग बाको मजाक उडाबा लाग्या। (मत्ति9:24)	25 अर जद लोगानै बठै'ऊँ बारनै काढ दिन्यो गयो जणा ईशु माईनै जार बी छोरी को हाथ पकड़्यो जिऊँ बा छोरी जीगी। (मत्ति9:25)	26 अर जद ईशु बठै'ऊँ जार्या हा जणा दो आँधा मिनख बाकै गेल हो लिन्या अर हेल्लो देर खेबा लाग्या,"हे दाऊद का बेटा, म्हार प दया कर। (मत्ति9:27)	27 अर जद ईशु घर क माईनै बड़गा जणा बे मिनखबि बाकै कनै गया। बानै देख'र ईशु बाऊँ बुझ्यो,"के थानै विश्बास ह क म थानै ओज्युँ आँख्या दे सकूँ हूँ?" (मत्ति9:28)	28 बे बोल्या,"हाँ माराज!जणा ईशु बाकी आँख्या क हाथ अड़ार, खयो जंय्यां थारो बिश्वास ह बंय्यांई थारै सागै होवै। (मत्ति9:28-29)
29 अर बे आँधा देखबा लाग्या। अर ईशु बानै अंय्यांचितायो क इकै बारा म खिनैई मना खिज्यो।पण बे बठै'ऊँ जार बि जघां म बा बाता को ढींढोरो पिट दिन्यो। (मत्ति9:30-31)	30 जद ईशु बठै'ऊँ जार्या हा जणा लोग एक गुँगानै जिकै माईनै ओपरी बलाय ही बिनै ईशु क कनै लेर आया। (मत्ति9:32)	31 अर जद बिकै माईनै'ऊँ बीओपरी बलायनै काढदिनी जणा बो मिनख बोलबा लाग्यो, जणा बठै भीड़ ही जखी ताजूब कर'र खेबा लागी, (मत्ति9:33)				

सरकारी छुट्टी

जुला. 6 मिठ्ठी ईद

अग. 15 स्वतंत्रता दिवस

अग. 18 रक्षा बंधन

अग. 25 जन्माष्टमी

Shekhawati Masih Samikshya Samiti

Sikar Rajasthan, Phone:- 01572243199

Website:-www.shekhawatiasha.com

2016

सितम्बर

सोम	मंगळ	बुध	बिस्प	सकर	शनी	दित
			1 "म्हे इस्राएल म अंय्यां को काम पेली कदैई कोनी देख्यो।" पण बठै खड़्या फरीसी खेबा लाग्या, क ओ ओपरी बलाय का सरदार की शक्तिऊँ ओपरी बलाया न काढै ह।" (मत्ति9:33-34)	**2** ईशु नगरी-नगरी गाँव-गाँव जार यहूदी मिनखा की अरदास करबाळी झघां म सीखातो हो (मत्ति9:35)	**3** अर परमेश्बर क राज क बारै म चोखा समचार को हेल्लो पाड़तो, लोगा का रोगनै दूर करतो होयो फिर्या करतो हो। (मत्ति9:35)	**4** अर ईशु जद बी भीड़नै देखतो बानै बापै दया आती क्युँक बे बी लल्डी की जंय्यां हा जिको गुवाळियो कोनी होवै ह जिकै बजै'ऊँ बा अठिनै बठिनै रूळति फिरै ह। (मत्ति9:36)
5 जणा ईशु आपका चेलानै खेबा लाग्यो, ल्यावणी आईड़ा खेत तो बोळा ही पण ध्यानग्या थोड़ा ही। इ ताँई थे खेत का धणि'ऊँ अरदास करो जिऊँ बे ल यावणी करबा ताँई ध्यानग्यानै भजै। (मत्ति9:37-38)	**6** ईशु आपका बारा चेलानै आपकै कनै बुला'र बानै ओपरी बलायनै काढबा की अर रोगलानै निरोगो करबा अर कमजोरीनै दूर करबा की शक्ति दिनी। (मत्ति10:1)	**7** बा बारानै भेजेड़ा चेला खेर बुलायो जाका नाम अंय्यां ह: सऊँ पेल्या तो शमोन जिनै पतरस बी खेवै ह बिको भाईड़ो अंद्रियास, जब्दी को बेटो याकूब अर बिको भाईड़ो यहून्नो, (मत्ति10:2)	**8** फिलिप्पुस, बरतुल्मै, थोमो, चुंगी लेबाळो मत्ती, हलफै को बेटो याकूब अर तधै, देश भक्त शिमोन, अर यहूदा इस्करियोती ओ बोई ह जखो ईशु न धोका'ऊँ पकड़वायो हो। (मत्ति10:3-4)	**9** ईशु बा बारानै ओ अधिकार दिन्यो अर हुक्म देर भेज्यो "गैर-यहूदी मिनखा की नगरी म मना जायो अर नाई सामरी नगरी म जायो। (मत्ति10:5)	**10** पण इस्राएल का मिनखा क कनैई जायो जखा गुमेड़ी लल्डया की जंय्यां ह। अर बाकै कनै जाओ अर हेल्लो पाड़ो क 'ईश्बर नगरी को राज साकड़ै आगो ह। (मत्ति10:6-7)	**11** अर रोगलानै निरोगा करो, मरेड़ानै जिवावो, कोढ्याँ का कोढनै धोवो अरओपरीबलायानै काढो। जंय्यां थानै सितमित म मिल्यो ह थे बी सितमित म द्यो। (मत्ति10:6-8)
12 थे न तो सोनो चाँदी ल्यो न ताम्बा का सिक्का अर न बटवो लिज्यो।अर नाई गेला ताँई झोळो न कुर्तो, (मत्ति10:9-10)	**13** न चप्पल न हाथ म लाठी लिज्यो, क्युँक कम'ऊँ कम ध्यानग्या रोटया का तो हकधार होवी हीं। (मत्ति10:9-10)	**14** थे जद बी कोई नगरी नहिस गाँव म जाओ जणा पेल्या बेरो करज्यो क बठै गत को मिनख कुण ह। अर जद ताँई थे बठै'ऊँ नई जावो बाकै सागै ही रिज्यो। (मत्ति10:11)	**15** जि घर की थळी प पग धरो जणा बि घर का मिनखानै आसिरवाद दिज्यो। (मत्ति10:12)	**16** ज बि घर का मिनखा म एक जणो बि आसिरवाद क जोगो होसी जणा थारो आसिरबाद बिकै लागसी। नहिस तो थारो आसिरबाद ओज्युँ थारै कनै आज्यासी। (मत्ति10:12-13)	**17** अर ज कोई थारो मानकोनीकरै अर न'ई थारी बाता सूणै जणा थे बि घर अर बी नगरी'ऊँ बारै आर थारी चप्पल्या की धूळ झाड दिज्यो। (मत्ति10:14)	**18** अय्याँ कर'र थे बानै आ चेता दिज्यो क परमेश्बर बानै सजा देसी क्युँक बे बिकी बात कोनी सूणी। (मत्ति10:14)
19 म थार'ऊँ साची खेऊँ हूँ जद न्याय होसी, बि दिन बि नगरी की दशा सदोम अर अमोरा नगरी'ऊँ बी बेकार होसी। (मत्ति10:15)	**20** सूणो म थानै ल्याळ्या क माईनै लल्डया की जंय्यां भेज्युँ हूँ। इ ताँई थे साँप क जंय्यां चालाक अर कबूतर की जंय्यां भोळा रिज्यो। (मत्ति10:16)	**21** अर थे मिनखा'ऊँ हुस्यार रिज्यो क्युँक बे थानै पकड़'र पंचा क हाथा सूप देसी अर बे थानै यहूदी मिनखा की अरदास करबाळी झघां लेज्यार बेत पड़वासी। (मत्ति10:17)	**22** थे मेरै बारा म सीख देवो हो इ बजै'ऊँ थानै राजा अर अधिकारिया कसामै लेज्याओ जासी, पण थानै बी टेम गैर-यहूदी मिनखा म मनै साबित करबा को मोको मिलसी।(मत्ति10:18)	**23** जद बे थानै पकड़सी जणा थे आ चिन्ता मना करज्यो क थानै इब काँई खेणो ह क्युँक बी घड़ी पबितर आत्मा थानै बतासी काँई खेणो ह। (मत्ति10:19)	**24** क्युँक बोलबाळा थे कोनी पणथारा पिता परमेश्बर की आत्मा थार मऊँ होर बोलसी। (मत्ति10:20)	**25** भाई भाई न पकड़वार मर वासी, मा बाप टाबरान मरवासी अर टाबर मा बापा क सामै होर बानै मरवागेरसी। (मत्ति10:21)
26 मेरै नाम की बजै'ऊँ लोग थार'ऊँ नफरत करसी पण जखो मिनख आपकी अंतघड़ी ताँई सक्युँ सेसी बोई बचायो ज्यासी। (मत्ति10:22)	**27** बे थानै थारी एक नगरी म सतावै जणा थे दूसरी नगरीमभागजाज्यो अर म थारऊँ साची खेऊँ हूँ इस्राएल देश की सगळी नगर्या म थारै घूमबा'ऊँ पेलीई मिनख को बेटो आज्यासी।(मत्ति10:23)	**28** क्युँक चेलो गुरू'ऊँ बडो कोनी होवै अर नई दास आपका मालिक'ऊँ बडो होवै ह। (मत्ति10:24)	**29** इ ताँई चेलानै गुरू क बराबर होबा म अर दासनै मालिक क बराबर होबा म ही सबर राखणी चाये। (मत्ति10:25)	**30** अर जद बे मिनख घर का मालिक न ही बालजबूल खेवै ह जणा बिका घर का मिनखा क सागै तो ओर बी बुरो सलुक करसी! (मत्ति10:25)		

थारा बचना का भेद खुलबाऊँ
उजाळो होवै, जिऊँ भोळा
मीनखानै ज्ञान मिलै।

भजन संहिता 119:130

The explanation of your teaching gives
light and bring wisdom to the ignorant.
Psalms 119:130

अक्टुबर

सोम	मंगळ	बुध	बिस्प	सकर	शनी	दित
31 म्हें थार ताँई बाजो बजाया पण थे नाच्याई कोनी। म्हें थार ताँई बार घाली पण थे रोयाई कोनी। (मत्ति11:17)					**1** इ ताँई थे बा मिनखा'ऊँ मना डरो, क्युँक जो क्युँ बी लुखेड़ो ह बिनै परमेश्बर चौड़ामै ल्यासी अर जो बी ओला म ह बिनै सामै ल्यासी। (मत्ति10:26)	**2** इ ताँई म जो क्युँ बी थानै अँधेरा म बोल्यो हूँ थे बिनै दिन का च्यानणा म जोर'ऊँ बोलो अर जखी बाता म थानै ओला म खेऊँ हूँ बानै थे कोठा प चढ'र बोलो। (मत्ति10:27)
3 थे बा मिनखा'ऊँ मना डरो जखा थारी कायानै नास कर सकी ही पण थारी आत्मानै नास कोनी कर सकी। पण परमेश्बर'ऊँ डरो जखो थारी आत्मा अर काया दोन्यानै नरग म गेर'र नास कर सकै ह। (मत्ति10:28)	**4** क्युँक एक डबळी हाळा सिक्का की दो चिड़कल्याँ कोनी बिकै के। पण बाम'ऊँ एक बि धरती प मरै ह जणा बाकै बारै म थारा परमेश्बर पिता नै बेरो होवै ह। (मत्ति10:29)	**5** उरै ताँई क परमेश्बर थारै सिर का एक एक बाळ बी गिण राख्या ह। इ ताँई डरो मना क्युँक परमेश्बर की नजर्यां म थारो मोल तो चिड़कल्याँ'ऊँ बि बोळो ह। (मत्ति10:30-31)	**6** जखो बि मिनख मनै लोगा क सामै मानसी जणा म बी ईश्बर नगरी म रेबाळा पिता परमेश्बर क सामै बानै मानस्यूं। (मत्ति10:32)	**7** पण जखो बी मिनख मनै लोगा क सामै कोनी मानसी जणा म बी ईश्बर नगरी म रेबाळा पिता परमेश्बर क सामै बिनै कोनी मानस्यूं। (मत्ति10:33)	**8** थे अंय्यां मना सोचो क म धरती प मिनखा को मेळमिलाप करबा आयो हूँ पण म तो बानै लड़ाबा आया हूँ। (मत्ति10:34)	**9** म ओ करबा आयो हूँ क बेटो बाप क खिलाफ, बेटी मा क खिलाफ अर भू सासू क खिलाफ होवै। (मत्ति10:35)
10 मिनख का बेरी बिका घरकाई होसी। जखो बी मिनख मेर'ऊँ ज्यादा आपका मा बापानै नहिस आपका बाळबच्यानै चावै ह बो मेरै जोगो कोनी। (मत्ति10:36-37)	**11** अर जखो बी मेरै ताँई दुख दर्द सेबा ताँई अर मरबानै त्यार कोनी बो मेरो चेलो होबा जोगो कोनी। (मत्ति10:38)	**12** जखो बी आपका पिराण बचावै ह बो बिकी हानी उठावै ह, अर जखो बि मेरै बजै'ऊँ आपका पिराण देवै ह बो बिनै पासी। (मत्ति10:39)	**13** जखो बी थारो मान करै ह, बो मेरो बी मान करै ह; अर जखो मेरो मान करै ह बो मनै अधिकार क सागै भेजबाळा परमेश्बर को बी मान करै ह। (मत्ति10:40)	**14** जखो बी परमेश्बर की खेबाळा को आ जाण'र मान करै ह की बो परमेश्बर की खेबाळो ह बिनै बोई फळ मिलसी जो परमेश्बर की खेबाळानै मिलै ह। (मत्ति10:41)	**15** अर जखोबी धर्मी मिनख को आ सोचर मान करै ह क बो धर्मी मिनख ह जणा बिनै बि बोई फळ मिलसी जो धर्मी मिनखनै मिलणो चाये। (मत्ति10:41)	**16** अर म थानै साची खेऊँ हू ज कोई आ छोटा मऊँ एकनै बी मेरो चेलो जाण'र एक गिलास ठण्डो पाणी प्यावै बिनै बिको फळ मिलसी। (मत्ति10:42)
17 ईशु आपका बारा चेलानै आदेश देबा क पाछै बठै'ऊँ परचार करबा अर सीख देबा ताँई नगर्या म चलेगो। (मत्ति11:1)	**18** जद यूहन्नो काळ कोठरीम ईशु का कामा की चर्चा सूणी जणा बो आपका चेलानै ईशु क कनै आ बुझबा ताँई भेज्यो, थे बेई हो के जखा आबाळा हा नहिस म्हें ओरनै उडिका?(मत्ति11:2-3)	**19** ईशु बाऊँ बोलो थे जो क्युँ बी सूणो अर देखो हो बो सक्युँ यूहन्नानै जार बताद्यो। (मत्ति11:4)	**20** आँधा ओज्यु देखी ही, लूला लगड़ा चाली ही कोढ्याको कोढ धुपग्यो ह। बेरा सूणै ही, मुर्दानै जिवायो जार्यो ह गरिबानै छुटकारा को समचार सुणायो जार्यो ह। (मत्ति11:5)	**21** परमेश्बर बा मिनखा'ऊँ राजी ह जखा मेरपै बिश्बास करै ह। (मत्ति11:6)	**22** अर जद यूहन्ना का चेला बठै'ऊँ चाल पड़्या जणा ईशु लोगानै बतिष्मा देबाळा यूहन्ना क बारा म खेबा लाग्यो। थे बिड़ म काँई देखबा गया हा? भाळ'ऊँ हालती पानिनै। (मत्ति11:7)	**23** जणा काँई देखबा गया हा? के किमति गाबा पेरेड़ा मिनखनै? सूणो जो किमति गाबा पेरी ही बे म्हेलमाळ्या म रेवी ही। (मत्ति11:8)
24 जणा काँई देखबा गया हा? क परमेश्बर की खेबाळानै हा, पण म थानै बोलु ह जिनै थे देखबा गया हा बो परमेश्बर की खेबाळा'ऊँ बी बडो ह। (मत्ति11:9)	**25** ओ बो ह जिकै बारा म शास्त्र म मंडर्यो ह:"देख म मेरा दुतनै अधि कार क सागै तेरै अगा'ऊँ भेजूँ हूँ। जखो लोगा का हियानै तेरै ताँई त्यार करसी। (मत्ति11:10)	**26** म थानै साची खेऊँ हूँ लूगाईऊँ जलमेड़ा सगळा मिनखा म यूहन्नो बपतिष्मो देबाळा ऊँ बडो कोई मिनख कोनी जलम्यो। पण ईश्बर नगरी का राज म छोटा'ऊँ छोटो बी बिऊँ बडो ह। (मत्ति11:11)	**27** यूहन्ना की टेम'ऊँ लेर परमेश्बर का राज क सागै मार पिट करी जावै ह अर बे मारपिट कर बाळा जोरामरदी बि राजनै लेबा की कोशिश करै ह। (मत्ति11:12)	**28** यूहन्ना की टेम ताँई सगळा परमेश्बर की खेबाळा अर मूसा को बिधान परमेश्बर को समाचार देता हा। (मत्ति11:13)	**29** ज थार मऊँ कोई इ बातनै मानबो चावै कआबाळो एलिय्यो ओई ह, जणा बो इनै मानल्ये। (मत्ति11:14)	**30** ध्यान लगार'र सूणो। म इ पिढी का मिनखा की बराबरी किऊँ करूँ? अ तो गुवाड़ म बैठ्या बा टाबरा की जंय्यां ह जखा एक दूसरानै हेल्लो देर खेवै ह। (मत्ति11:15-16)

सरकारी छुट्टी

- सित. 5 गणेश चतुर्थी
- सित. 12 बकरा ईद
- अक्टु. 2 महात्मा गाँधी जयंती
- अक्टु. 11 दशहरा
- अक्टु. 12 मोहरम
- अक्टु. 30 दिपावली

Shekhawati Masih Samikshya Samiti

Sikar Rajasthan, Phone:- 01572243199

Website:-www.shekhawatiasha.com

2016

प्रबु खुद आपका बचेड़ा पवितर मीनखा ताँई सोवणो अर प्रतापी मुकुट होसी।

यशायाह 28:5

LORD of hosts be for a crown of glory and for a diadem of beauty, unto the residue of his people.

Isaiah 28:5

नवम्बर

सोम	मंगळ	बुध	बिस्प	सकर	शनी	दित
	1 बतिष्मो देबाळो यूहन्नो आयो बो ओरा की जंय्यां न तो चोखो खातो हो अर नई अंगूरी पितो हो जणा बी लोग खया इकै माईनै ओपरी बलाय ह। (मत्ति11:18)	2 मिनख को बेटो ओरा की जंय्याँ खातो-पितो आयो अर बे खेवै ह ओ पेटू अर पियकड़ ह चुंगी लेबाळा अर पाप्यां को भाईलो ह। परमेश्बर की बुद्धि प चालबाळा आपका कर्मा'ऊँ बिकी बुद्धिनै सई साबित करै ह। (मत्ति11:19)	3 ईशु बा नगर्यांनै धिधक्कारबा लाग्यो जाकै माईनै बे बोळा सारा चमत्कार कर्या हा। क्युँ'क बठै का मिनख आपका हियानै पापाऊँ कोनी फेर्या। (मत्ति11:20)	4 खुराजिन अर बैतसैदा म रेबाळा मिनखा प हाय ह अत्ता-अत्ता जोर का काम आ नगर्या म कर्या गया (मत्ति11:21)	5 ज अ काम सुर अर सैदा म कर्या जाता जणा बठै का मिनख बोरी का गाबा पेर'र खुद प राख बुरकार, कदका इ दिखा देता क बे पाप'ऊँ हियो फिरा लिया ही। (मत्ति11:21)	6 पण न्याय हाळे दिन थारी दशा सूर अर सैदा'ऊँ बोळी ज्यादा बुरी होसी। हे कफरनहूम के तू अंय्यां सोचै ह क ईश्बर नगरी जितो उठायो ज्यासी? (मत्ति11:22-23)
7 पण तु तो पताळ म निचो गेर्यो जासी। क्युँ'क थारै माईनै जो चमत्कार कर्या गया हा बे सदोम नगरी म कर्या जाता जणा बा नगरी आज ताँई भसी रेह्ती। (मत्ति11:23)	8 पण म थारै'ऊ खैऊ हू न्याय क दिन थारा मिनखा की दशा सदोम का मिनखा'ऊँ ज्यादा खराब होसी। (मत्ति11:24)	9 बठैई ईशु बोल्यो "हे परमेश्बर थे जो ईश्बर नगरी अर धरती न बणाबाळा हो अर थे ही आका मालिक हो म थारो धन्यवाद करुँ हूँ। (मत्ति11:25)	10 थे आ बाता न ज्ञानिया'ऊ अर स्याणा'ऊँ लूखार राख्या पण आनै मामूली मिनखा प प्रकट कर्या। (मत्ति11:25)	11 अर थे अंय्यां इ ताँई कर्या हो क्युँ'क ओ थारी नजर्या म चोखो हो। मैरै हाथा म मेरो बाप सक्युँ सुप्यो ह अर बाप क अलावा कोई बी बेटानै कोनी जाणै (मत्ति11:26-27)	12 अर कोई बी बेटा क अलावा बापनै कोनी जाणै। अर बे मिनख बापनै जाणै ह जिनै बेटो बतावै ह। (मत्ति11:27)	13 ईशु बाऊँ बोल्यो, "हे थकेड़ो अर बोज'ऊँ दवेड़ो मिनखो मैरै कनै आओ म थानै अराम देस्यूं। (मत्ति11:28)
14 थे मेरी हाळीनै लेल्यो अर बिनै लादल्यो अर थे मेर'ऊँ सिखो क्युँ'क म सिदो साधो अर मेरो हियो दया'ऊँ भरेड़ो ह। जिऊँ थानै बी अराम मिलसी (मत्ति11:29)	15 क्युँ'क मेरी हाळी अराम दायक अर मेरो बोज हळको ह। (मत्ति11:30)	16 यहूदिया मिनखा क अराम हाळा दिन ईशु अर बाकाळा चेला खेता क माईन'ऊँ जार्या हा जणा चेलानै भूख लागी इ ताँई बे खेत मऊँ ग्युँ की बाळया तोड़-तोड़'र खाबा लाग्या। (मत्ति12:1)	17 फरीसी बानै अंय्यां करता देख ईशुनै बोल्या थारा चेला अराम हाळा दिन बो काम क्यूँ करै जो आपणा विधि विधान म बरजेड़ो ह (मत्ति12:2)	18 ईशु बाकी बाता सुण'र बानै बोल्यो थे शास्त्र म ओ कोनी बाच्या क जद दाऊद अर बिकाळा साथ्यानै भुख लागी जणा बे काँई कर्या हा? (मत्ति12:3)	19 बो आपका साथ्या क सागै परमेश्बर का तम्बू म जार परमेश्बर क चढाइड़ी रोट्याँ खाई जानै याजक सिवा ओरनै बरजेड़ो हो। (मत्ति12:4)	20 थे मूसा का विधि बिधान म ओ कोनी बाच्यां क अरामहाळा दिन मंदर का याजक इ मंदर म अरामहाळा दिन का नियमनै तोड़ै ह जणा बी बानै कोई क्युँई कोनी बोलै। (मत्ति12:5)
21 पण म थानै खेऊँ हू अठै जो ह बो मनदर'ऊँ बी बडो ह। ज थे शास्त्राम जो मांडेड़ो ह बिकै बारा म जाणता (मत्ति12:6-7)	22 तो थे ओ बी जाणता की म मिनखा'ऊँ ओ चाऊँ हूँ क बे दया करीं न कि ज्यानवरा की बली चढावी। जिऊँ थे बा मिनखानै जो खरा ही दोषी ना बतावो। (मत्ति12:7)	23 क्युँ'क नर को जायो अराम हाळा दिन को बी मालिक ह। ईशु बठै'ऊँ चालर यहूदी मिनखा की अरदास करबाळा झघां गयो। (मत्ति12:8-9)	24 बठै एक मिनख हो बिकै एक हाथ क हवा भेहगी ही, बठै क्युँक मिनख हा बे ईशु प दोष लगाबा ताँई बुज्या आराम हाळा दिन खिनै निरोगो करबो ठिक ह के? (मत्ति12:10)	25 ईशु बानै बोल्यो म थानै बुजू हूँ जिकै कनै एक लल्डी हो अर बा खाडा म पड़ज्या जणा थे अरामहाळा दिन बिनै बारै कोनी काडो के? (मत्ति12:11)	26 जदकि मिनख को मोल तो लल्डी'ऊँ ज्यादा ह। इ ताँई अराम हाळा दिन भलाई करबो चोखो ह। (मत्ति12:12)	27 जणा ईशु बी हवा भेहड़ा मिनखनै बोल्यो तेरो हाथ आगै कर बो हाथनै आगै कर्यो अर बिको हाथ दूसरा हाथ की जंय्यां पेली हो बय्याँई निरोगो होगो। (मत्ति12:13)
28 जणा बे फरीसी बारै आर ईशुनै कय्यांसिक मारा ईकी साजिस रचबा लाग्या। (मत्ति12:14)	29 ईशु बाकी चाल समझग्यो अर बठै'ऊ चलेगो। पण भीड़ बाकै गेल हो लिनी। ईशु सगळा रोगलानै निरोगो कर्यो (मत्ति12:15)	30 ईशु बा मिनखानै चितायो क मेरै बारा म खिनैई मना खिज्यो। (मत्ति12:16)				

दिसम्बर

सोम	मंगळ	बुध	बिस्प	सकर	शनी	दित
			1 देखो ओ मेरो दास ह जिनै म टाळ्यो हूँ, ओ मेरो लाडलो ह, जिऊँ म बोळो राजी हूँ। म मेरी आत्मा इकै उपर उतारस्यूँ, अर ओ गैर-यहूदी मिनखा म हेल्लो पाड़सी क परमेश्बर इमानदारी'ऊँ बाको न्याय करसी। (मत्ति12:18)	2 ओ न तो खिऊँ लड़सी अर नाई गळयाकुच्या म कूकसी।जद ताँई बो धरती प धार्मिकता न ई फैलादे बो कोई न इ नास कोनी करै। (मत्ति12:19-20)	3 चाये कोई अटकेड़ी पानि की जंय्यां हो नहिस दिया की बुझबाळी लौई की जंय्यां कमजोर हो। (मत्ति12:20)	4 चाये कोई अटकेड़ी पानि की जंय्यां हो नहिस दिया की बुझबाळी लौई की जंय्यां कमजोर हो। अर सगळा मिनख बिका नाम प इ आस लगासी। (मत्ति12:20-21)
5 लोग ईशु क कनै एक मिनखनै ल्याया जिमै ओपरी बलाय ही जिकी बजे'ऊँ बो आँधो अर गूँगो हो अर ईशु बीनै नरोगो कर दिन्यो जिकी बजे'ऊ बो देखबा अर बोलबा लागगो। (मत्ति12:22)	6 लोग इनै देखर ताजूब करता होयो बोलबा लाग्या के ओ दाऊद को वंश मसी ह? (मत्ति12:23)	7 पण फरीसी बाकी बाता न सुण'र खेबा लाग्या ईशु ओपरी बलाय का सरदार बालजुबुल की शक्तिऊँ बानै निकाळै ह। (मत्ति12:24)	8 ईशु बाकी हिया की बातानै जाण'र बा'ऊँ बोल्यो जि राजपाट म फूट पड़ज्या जणा बिको नास होज्यावै ह। अर जि नगरी नहिस घर म फुट पड़ज्या जणा बो कय्याँ भस्यो रे सकै ह? (मत्ति12:25)	9 अर ज शैतान शैतान को इ बेरी होबा लाग्यो जणा बिको राज कय्याँ बण्यो रेसी? (मत्ति12:26)	10 अर ज म बाल जुबुल की मदत'ऊँ ओपरी बलायनै काडू हूं जणा थारला बी बालजबुल की शक्तिऊँ काडता होगा? जणा इ बात ताँई बेई थानै गळत साबित करसी। (मत्ति12:27)	11 अर ज म परमेश्बर की आत्मा'ऊँ ओपरी बलायनै काडू हूँ जणा इऊँ आ साबित होवै ह क परमेश्बर को राज थारै साकड़ै ई ह। (मत्ति12:28)
12 ज कोई मिनख कोई तगड़ा मिनख को घर लुटबो चावै ह तो पेली बि घर का तगड़ा मिनखनै बाँधसी बिकै पाछैई बि घरनै लुट सकै ह। (मत्ति12:29)	13 जखो मैरै सागै कोनी बो मैरै खिलाफ अर जखो मिनखानै मेरा चेला होबा ताँई भेळो कोनी करै बो बानै मेर'ऊँ दूर लेज्यावै ह। (मत्ति12:30)	14 इ ताँई म थानै खैऊ हूँ मिनखा का मूंडा'ऊँ करीड़ी सगळी बुराई अर पाप माफ हो सकी ही, पण जखो पबितर आत्मा क खिलाफ बुराई करै ह बिनै माफी कोनी। (मत्ति12:31)	15 अर ज कोई मिनख का बेटानै भलो बुरो खेवै ह जणा बिनै परमेश्बर माफ कर सकै ह। (मत्ति12:32)	16 पण जखो मिनख पबितर आत्मा क खिलाप क्युँ खेवै ह तो बिनै न तो इ जुग म अर न आबाला जुग म माफी ह। (मत्ति12:32)	17 थे जाणो हो ज थानै फळ खाणो ह तो थानै फळ को इ दरख्त लागाणो पड़सी, (मत्ति12:33)	18 क्यु'क हर दरख्त क खाबाळा फळ कोई लागै। अर दरख्त आपका फळया'ऊँ पिच्याण्यो जावै ह। (मत्ति12:33)
19 हे सपोलो! जद थेई बुरा हो जणा थारै मूंडा'ऊँ चोखी बाता कय्याँ बोलस्यो? क्युँ'क जो हिया म होवै बोई बारै आवै ह। (मत्ति12:34)	20 एक भलो मिनख आपका हिया'ऊँ चोखी बाता बोलै ह। जदकी बुरो मिनख आपका हिया'ऊँ बुरी बाता बोलै ह। (मत्ति12:35)	21 पण न्यायहाळै दिन सगळा मिनखानै आपकी खेहड़ी बुरी बाता को लेखो देणो पड़सी। (मत्ति12:36)	22 क्युँ'क तेरी खेहड़ी बाता की बजै'ऊँ इ तनै दोषी नहिस निरदोस साबित कर्यो ज्यासी। (मत्ति12:37)	23 शास्त्रानै सीखा बाळा अर फरीसी ईशु क कनै आया अर बे ईशु'ऊँ बोल्या ओ गुरु थे म्हानै कोई ईश्बर नगरी की शेलाणी दिखावो। (मत्ति12:38)	24 पण ईशु बाऊँ बोल्यो इ जुग का बुरा अर कुकर्म करबाळी पिढी ईश्बरनगरी को चिन माँगै ह। (मत्ति12:39)	25 पण म थानै खैऊ हूँ योना परमेश्बर की खेबाळा की बातानै छोड़'र कोई चिन आ लोगोनै कोनी दिखाई ज्यासी (मत्ति12:39)
26 जंय्यां योनो तीन दिना ताँई मछी क पेट म रह्यो हो बंय्यांई नर को जायो बी तीन दिना ताँई धरती क तळै रेसी। (मत्ति12:40)	27 जद न्याय होसी बी दिन निनवे नगरी का मिनख इ जुग का मिनखा क सागै खड़्या होसी अर आपै दोष लगासी (मत्ति12:41)	28 क्युँ'क निनवे का मिनख योना को परचार सूण'र बे हियानै पाप'ऊँ फिरा लिन्या हा। पण अठै जो ह बो योना'ऊँ बी बड़ो ह। (मत्ति12:41)	29 शिबा की राणी न्यायहाळै दिन इ पिढी प दोष मंडसी क्युँ'क बा धरती का इ कुणा'ऊँ बि कुणा म सुलेमान क कनै ज्ञान लेबा गई हीं पण अठै जो ह बो सुलेमान'ऊँ बी बोळो बडो ह। (मत्ति12:42)	30 जद ओपरी बलाय मिनखा ऊँ निकळ ज्यावै ह, जणा बा अराम ताँई सूनी झघां ढुढति फिरै ह पण बिनै झघां कोनी मिलै। (मत्ति12:43)	31 जणा बा ओपरी बलाय खुद'ऊँ खैवैह क म ओज्यु बी घर म ही ज्याऊँ जिकै माईनै ऊ म निळ'र आई हूँ। (मत्ति12:44)	अर जद बा बठै पाछी जावै ह जणा बा बि घरनै झाड़्यो-बार्यो अर सज्यो-सजायो खाली देखै ह। (मत्ति12:44)

सरकारी छुट्टी

नव. 14 गुरू नानक जयंती

दिस.25 बड़ादिन

Shekhawati Masih Samikshya Samiti

Sikar Rajasthan, Phone:- 01572243199

Website:-www.shekhawatiasha.com